

## प्रेस विज्ञप्ति

पूसा कृषि विज्ञान मेले के पहले दिन की प्रेस विज्ञप्ति - 2021

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं, नई दिल्ली 110 012

25 फरवरी, 2021

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं, नई दिल्ली के पूसा कृषि विज्ञान मेला (पीकेवीएम)-2021 का उद्घाटन दिनांक 25 फरवरी, 2021 को मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र सिंह तोमर, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया। उनके साथ भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी भी मौजूद थे। डॉ त्रिलोचन महापात्र, डेयर के सचिव एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प और डॉ संजय सिंह, सचिव भा.कृ.अनु.प सम्मानित अतिथि थे। समारोह के दौरान डॉ ए.के. सिंह, निदेशक, भा.कृ.अनु.सं; डॉ इंद्रमणि मिश्र, संभागध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी संभाग एवं कटेट के प्रभारी डॉ जे पी एस डबास भी मौजूद थे। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा जारी सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए मेले का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ ए.के. सिंह ने मंच पर गणमान्य व्यक्तियों, किसानों और अन्य आगंतुकों का स्वागत किया और सम्माननीय जन समूह को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के द्वारा विकसित विभिन्न फसलों के बीज और रोपण सामग्री सहित विभिन्न उन्नत प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी, जो कि मेले का सबसे बड़ा आकर्षण है। इस वर्ष सस्य फसलों की कुल 15 किस्में जारी की गईं। पूसा बासमती 1692 एक जल्दी पकने वाली (115 दिन), उच्च उपज वाली (52.6 क्वी/हेक्टेयर) और उत्कृष्ट पकने की गुणवत्ता वाली बासमती धान की किस्म जारी की गई है जिसके बीज पूसा कृषि विज्ञान मेले में उपलब्ध हैं। दो जैव-फोर्टिफाइड गेहूं की किस्में एचडी 3298; और एचआई 1633 जो कि सूक्ष्म पोषक तत्वों और प्रोटीन से समृद्ध हैं, जारी किए गए थे। उत्तर पश्चिमी मैदानों के लिए उच्च उपज क्षमता (27q/ha) वाले और बोल्ड बीज के साथ एकल शून्य वाली गुणवत्ता सरसों की किस्म, पूसा सरसों 32 (<2% erucic एसिड सामग्री) को जारी किया गया था। हाल ही में 35 किस्में खुले परागण वाले फल और

सब्जियों की भी विकसित की गई थीं, जिनमें पतली छिलके वाली आम की किस्में पूसा मनो हारी और पूसा दीप शिखा जिनकी उत्कृष्ट बनावट, स्वाद तथा लंबी अवधि की शेल्फ लाइफ है। पराली (धान और गेहूं) को जलाना एक सामान्य संकट है जिससे पोषक तत्वों से भरपूर बायोमास को हानि पहुँचने के अलावा एक गंभीर पर्यावरणीय समस्या पैदा हो रही हैं। पूसा डिकंपोजर, सात कवक प्रजातियों का एक कंसोर्टियम है, जिसे सूक्ष्मजीव विज्ञान संभाग द्वारा धान के भूसे के तेजी से अपघटन के लिए तरल और कैप्सूल दोनों रूपों में विकसित किया गया और इसे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यूपी के 5000 हेक्टेयर क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया था। फसल कटाई उपरांत और खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में से उन्होंने बाजरे के आटे की लोकप्रियता और व्यावसायीकरण के लिए बधाई दी जो हल्लुर के रूप में प्रसिद्ध है। उन्होंने पूसा फार्म सन फ्रिज की विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जोकि 15 दिनों तक दो टन फल और सब्जियों को संरक्षित रख सकता है। यह सौर ऊर्जा से चलता है और 4 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान बनाए रखता है। आईएआरआई ने पूसा समग्र नाम से एक कार्यक्रम भी शुरू किया है जो किसानों/हितधारकों के लाभ के लिए किस्मों/प्रौद्योगिकियों/प्रबंधन कार्यों और मौसम पर साप्ताहिक अद्यतन सूचना प्रदान करता है, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाते हैं। यू ट्यूब और फेसबुक के जरिए 15000 से ज्यादा लोग पीकेवीएम 2021 से ऑनलाइन जुड़े हैं।

डॉ. त्रिलोचन मोहापात्रा ने इस महामारी की स्थिति में दूर-दराज के क्षेत्रों से इस मेले से ज्ञान प्राप्त करने के लिए आए किसानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कृषक समुदाय के लाभ के लिए आई सी ए आर की उन्नत प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए सभी आई सी ए आर संस्थानों द्वारा इस प्रकार का मेला हर वर्ष आयोजित किया जाता है। उन्होंने दलहन और तिलहन उत्पादन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया, ताकि हमारे राष्ट्रीय कोष पर आयात के बोझ को कम किया जा सके, जोकि एक मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण में एक मजबूत कदम होगा। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण बीजों का उपयोग करने और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अच्छी कृषि पद्धतियों (जीएपी) को

अपनाने के महत्व पर जोर दिया जिससे राष्ट्र की सेवा होगी और निर्यात बाजार में हमारी पहुंच और हिस्सेदारी बढ़ेगी । उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 8 विभिन्न फसलों की 17 बायो- फोर्टीफाइड किस्मों को राष्ट्र के लिए जारी करने की बात भी रेखांकित की ।

श्री कैलाश चौधरी जी ने पूसा कृषि विज्ञान मेले की विशिष्टता की सराहना की । उन्होने बताया जब कोविड-19 महामारी के मुश्किल हालात में विश्व की लगभग हर अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही थी तब वार्षिक कृषि उत्पादन में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने के चुनौतीपूर्ण कार्य की चुनौती स्वीकार करने के लिए उन्होंने किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के सराहना की। उन्होंने कृषि के प्रति उनके प्रगतिशील दृष्टिकोण के लिए मंच पर मौजूद आई ए आर आई अध्येता किसानों और पद्मश्री पुरस्कार विजेता किसानों की सराहना की। उन्होंने बागवानी उत्पादों के नुकसानों को कम करने के लिए पूसा फार्म सन फ्रिज विकसित करने के लिए आई ए आर आई को बधाई दी । इस अनूठे आविष्कार के साथ ही अब भविष्य में किसानों को सशक्त करने हेतु बेहतर बाजार मूल्यों का इंतजार है। उन्होंने किसानों के लिए समय पर बाजार सुविधाएं उपलब्ध होने के महत्व पर जोर दिया , जिसके लिए सरकार ने बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाया है। यह कृषि बजट के लिए किए गए 1 लाख 35000 करोड़ रुपये के आवंटन से परिलक्षित होता है। उन्होंने एम एस स्वामीनाथन रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू करने के लिए सरकार के गंभीर प्रयासों की चर्चा की । उन्होंने सभी किसानों से आग्रह किया कि वे कृषि कानूनों के मूल्य को समझें और इससे लाभ उठाएं।

श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी ने इस मेले को विचारों के आदान-प्रदान करने और गुणवत्तापूर्ण आदानों की खरीद के लिए देश भर के किसानों के साथ मिलने जुलने का स्थान बताया। उन्होंने इन पुरस्कारों से किसानों के बीच उत्पन्न होने वाली स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भावना की प्रशंसा की। उन्होंने किसानों , बैंकों और अन्य कोविड योद्धाओं के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की जिन्होंने हमें कोरोना के कारण उत्पन्न सबसे कठिन समय से उबरने में सहायता की। उन्होंने किसानों के लाभ के लिए कार्यक्रमों को लागू करने के सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया और सभी किसानों से आग्रह किया कि वे इनका प्रभावी और कुशलता से उपयोग करें

ताकि इनका अधिक से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सके और इस प्रकार वे **आत्मनिर्भर किसान** के रूप में विकसित हो सके। उन्होंने कृषि क्षेत्र में ऋण और निजी निवेश के प्रवाह, उद्यमियों द्वारा एफपीओ के गठन आदि पर ध्यान केंद्रित किया। इससे माननीय प्रधानमंत्री के लंबे समय से संजोए सपने **आत्मनिर्भर भारत के निर्माण** को साकार करने में मदद मिलेगी।

पूसा कृषि विज्ञान मेला 2021 (25-27 फरवरी, 2021) की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं-

- रबी फसलों का जीवंत प्रदर्शन
- सब्जियों और फूलों की संरक्षित खेती का प्रदर्शन
- आई ए आर आई, आई सी ए आर संस्थानों द्वारा विकसित कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी और बिक्री

- उन्नत किस्मों के बीजों और पौधों की बिक्री
- मिट्टी और पानी के नमूनों की मुफ्त जांच
- कृषि उत्पादों और कृषि रसायनों का प्रदर्शन और बिक्री
- उन्नत सिंचाई विधियों का प्रदर्शन
- नवोन्मेषी किसानों द्वारा विकसित उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री
- किसान वैज्ञानिक संवाद
- महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम
- कृषि साहित्य का निशुल्क वितरण
- मुफ्त स्वास्थ्य जांच
- नवोन्मेषी किसान सम्मेलन
- पुष्प प्रदर्शनी

हर साल की तरह इस बार भी पाँच किसानों राजस्थान के श्री भंवर लाल कुमावत, गुजरात के श्री डी. के. भानुभाई देसाई, बिहार के श्री जितेंद्र कुमार सिंह, महाराष्ट्र के श्री एम.मेटकर एवं पंजाब के श्री एस. भांगु को माननीय अतिथियों द्वारा आई.ए.आर.आई. फैलो अवार्ड से पुरुस्कृत किया गया। संस्थान के इस प्रयास से सम्मानित किसानों का मनोबल बहुत ऊंचा रहेगा क्योंकि उन्हें किसान प्रोफेसर के दर्जे से सम्मानित किया गया था, जो बाद में अपने-अपने क्षेत्रों में

हमारी आई.ए.आर.आई प्रौद्योगिकियों के लिए राजदूत के रूप में कार्य कर सकते हैं।

डॉ आर.बी.सिंह, पूर्व कुलाधिपति, सी.ए.यू. एवं सदस्य किसान आयोग की अध्यक्षता में उद्यमिता विकास पर अगले तकनीकी सत्र के दौरान सम्मानित वक्ताओं जिनमें पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त किसान भी शामिल थे , ने अपनी उपलब्धियों और कृषक समुदाय के लिए फायदेमंद सुधार विषय पर विचार व्यक्त किए।